अपने हर्बल गार्डन पर इतराता है डीयू का राम लाल आनंद कालेज

दैनिक जागरण
१ फरवरी २०२३

शिवांगी चंद्रवंशी ● दक्षिणी दिल्ली

● कई बीमारियों के उपचार में काम आने वाले उपयोगी पौधे लगाए गए

● परिसर में जल्द वर्टिकल गार्डन स्थापित करने की हो रही तैयारी

राम लाल आनंद कालेज के परिसर में बनाया गया हर्बल गार्डन ● जागरण

दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रतिष्ठित राम लाल आनंद कालेज में शिक्षा की गुणवत्ता के साथ ही हर्बल गार्डन उसकी बड़ी पहचान बनता जा रहा है। इस गार्डन के जरिये छात्र आयुर्वेद की आधुनिकता से भी जुड़ रहे हैं। यहां विभिन्न रोगों के उपचार के लिए उपयोग में आने वाली वनस्पतियों को लगाया गया है। कालेज प्रबंधन और छात्र अपनी इस बगिया पर इतराते हैं। यहां मधुमेह से लेकर अनेक गंभीर बीमारियों के उपचार में काम आने वाले उपयोगी पौधे लगाए गए हैं।

आयुर्वेद को आधुनिकता से जोड़ने की पहल : जी हां, दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रतिष्ठित राम लाल आनंद कालेज में आयुर्वेद को आधुनिकता से जोड़ने की अच्छी पहल की गई है। यहां के पर्यावरण विभाग की ओर से कालेज परिसर में हर्बल गार्डन स्थापित किया गया है। यहां कई तरह के औषधीय पौधे लगाए हैं। पर्यावरण विभाग की ओर से इस हर्बल गार्डन को बनाने में तीन माह का समय लगा है। कालेज की ग्रीन कैंपस सोसायटी ने छात्रों के साथ मिलकर हर्बल गार्डन को विकसित किया। अब यहां लगे पौधे शिक्षकों एवं सभी कर्मियों की सेहत के लिए संजीवनी बूटी का काम कर रहे हैं।

> कालेज में पर्यावरण गतिविधियों में छात्र बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं। छात्रों को स्वच्छ पर्यावरण के महत्व को बताया जा रहा है।
>
> – डा. राकेश कुमार गुप्ता, प्रधानाचार्य, राम लाल आनंद कालेज

कोरोना काल में आया आयुर्वेद बगिया का विचार : कालेज की ग्रीन कैंपस सोसायटी की संयोजक सहायक प्रो. रीता जैन ने बताया कि कालेज प्रबंधन काफी समय से इस पर विचार कर रहा था। कोरोना काल में आयुर्वेद के महत्व बढ़ने के बाद हमने संकल्प लिया कि कालेज परिसर में भी औषधीय पौधे को एकत्र करके हर्बल गार्डन बनाया जाए। इसके माध्यम से लोगों को प्राचीन काल से उपस्थित औषधीय पौधों की उपयोगिता व उनके संरक्षण के बारे में जागरूक किया जाए। उन्होंने बताया कि कालेज प्रबंधन जल्द परिसर में वर्टिकल गार्डन स्थापित करने की तैयारी हो रही है।

लगाए गए 20 से अधिक औषधीय पौधे : राम लाल आनंद कालेज परिसर में स्थापित हर्बल गार्डन में 20 से अधिक औषधीय पौधे लगाए गए हैं। इसमें प्रमुख रूप से एलोवेरा, हल्दी, तुलसी, पीपली, अजवाइन, इंसुलिन, लेमन ग्रास, पुदीना, नागदोन, अश्वगंधा व पिपरमिंट के पौधे लगाए गए हैं। सहायक प्रो. रीता जैन ने बताया कि छात्रों के साथ ही कालेज परिसर में आने वाले प्रत्येक व्यक्ति को इन पौधों के वानस्पतिक नाम व उपयोगिता संबंधी संपूर्ण जानकारी उपलब्ध कराई जा रही है।